>

Title: Issue regarding deaths caused by encephalitis in various parts of the country.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): अध्यक्ष महोदया, पिछले 14-15 वर्षों से मैं सरकार का और सदन का ध्यान एक खतरनाक बीमारी की तरफ आकर्षित करता रहा हूं। आज के समय देश के 17 राज्य, 170 जिले और उत्तर प्रदेश के 30-35 जिले इस बीमारी से पूरी तरह प्रभावित हैं। अकेले गोरखपुर बीआरडी मेडिकल कालेज में इस वर्ष अभी तक 200 बच्चों की मौत इन्सीफ्लाइटिस से हो चुकी है। उत्तर प्रदेश के 34 जिले इस बीमारी से प्रभावित हैं। इसी सदन में आपने वर्ष 2011 में मेरा कालिंग अटेंशन स्वीकृत किया था, जिसमें माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने सदन में इस बात का आश्वासन दिया था कि इसके लिए एक नेशनल प्रोग्राम तय करके पूरे देश के अंदर इन्सीफ्लाइटिस और वैक्टर जनित अन्य बीमारियों के उन्मूलन के लिए सरकार प्रयास करेगी। मुझे दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि इस बीमारी के जो प्रमुख कारण हैं, गोरखपुर में बीआरडी मेडिकल कालेज में वायरलोजी सैंटर ने दो कारण बताए हैं कि मच्छरों के काटने से और प्रदूषित जल के कारण यह बीमारी फैलती है। इस बीमारी के कारण वहां लगातार मौतें हो रही हैं। गोरखपुर में तो फिर भी इस बीमारी को बता कर जांच की जाती है लेकिन अन्य जिलों में अज्ञात बीमारी कह कर देश में मासूम बच्चों को मरने के लिए छोड़ा जा रहा है। जिस देश का बचपन असमय ही काल के गाल में समा रहा हो उस देश के भविष्य के बारे में आखिर हम लोग क्या अंदाजा लगा सकते हैं। आज यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि सदन में 29 दिसम्बर 2011 को माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने सदन को आश्वासन दिया था, नंबर एक कि ब्याड़ी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर को एम्स की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। दूसरा, पूरे देश में इन्सीफ्लाइटिस और अन्य वैक्टर जनित बीमारियों के मुफ्त में उपचार की व्यवस्था पूरे देश में करके उसके लिए जो वेक्सीनेशन होना है, वह करेंगे। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इस बार वेक्सीनेशन नहीं हुआ है। अब तक नहीं हुआ है जिसके कारण दो सौ से अधिक बच्चों की मौत हो चुकी है और लगातार प्रति दिन दस से पन्द्रह बच्चे आ रहे हैं और पांच से सात-आठ बच्चों की मौत प्रतिदिन हो रही है। तीसरा, प्रभावी क्षेत्रों में छिड़काव और शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाने के बारे में भी उन्होंने आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक उस पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पायी है। दवा के अभाव में भी वहां मौतें हो रही हैं। लगातार उत्तर प्रदेश में, बिहार में, ओडिशा में, पश्चिमी बंगाल में और तमाम अन्य राज्य, लगभग 17 राज्य हैं जहां कम या ज्यादा संख्या में बीमारी है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से अनुरोध करूंगा कि इन्सीफ्लाइटिस के पूर्ण रूप से उन्मूलन के लिए एक राष्ट्रीय प्रोग्राम वह तत्काल लागू करें। पूरे देश में दिसम्बर-जनवरी माह में छिड़काव के साथ-साथ वेक्सीनेशन की व्यवस्था करें और अज्ञात बीमारी बता कर के इस देश के मासूमों को एक बीमारी से निगलने के लिए न छोड़ें बल्कि इसके उपचार के लिए सरकार प्रभावी कदम उठाए। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, धन्यवाद।...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): महोदय, एमपी निवास तक डेंगू फैला हुआ है और एमपीज को डेंगू हो गया है। जब दिल्ली में यह स्थिति है तो उत्तर प्रदेश में क्या हाल होगा? उत्तर प्रदेश में तो हमेशा ही यही स्थिति बनी रहती है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया :

श्री शैलेन्द्र कुमार,

डॉ. राम शंकर और

श्री कमलेश पासवान अपने आपको श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उठाए गए मुद्दे से सम्बद्ध करते हैं।